



Mrs. Palak

30 Jun 2004

10:20 AM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 120679402

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 30/06/2004
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 10:20:00 घंटे
इष्ट _____: 11:35:36 घटी
स्थान _____: Ajmer
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:29:00 उत्तर
रेखांश _____: 74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:48:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:23:04 घंटे
सूर्योदय _____: 05:41:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:28:09 घंटे
दिनमान _____: 13:46:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 14:49:16 मिथुन
लग्न के अंश _____: 14:26:41 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अनुराधा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: शुभ
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कर्क

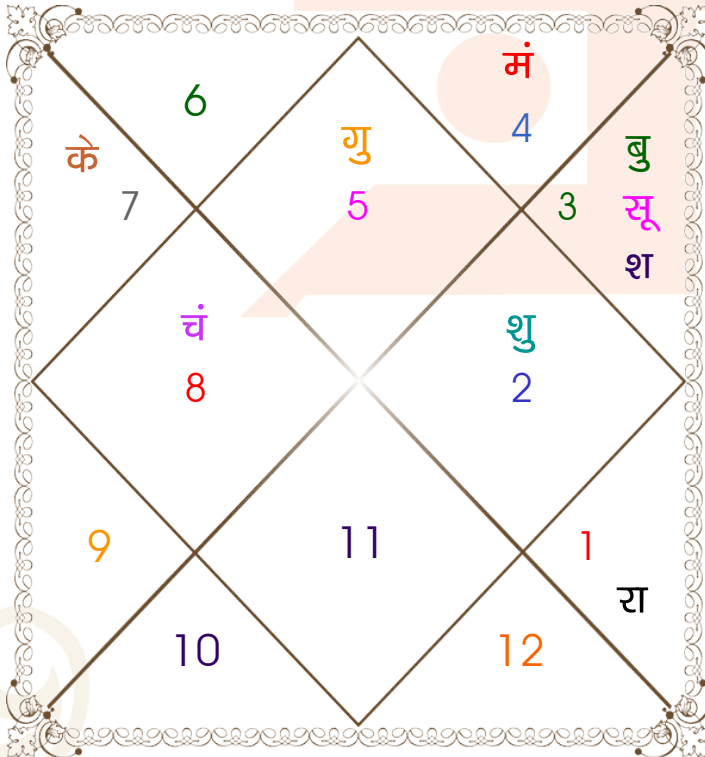
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:26:41	319:55:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	14:49:16	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	12:38:17	14:56:49	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कर्क	10:04:17	00:37:47	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			मिथु	27:47:44	01:56:59	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			सिंह	19:19:29	00:08:32	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	15:42:35	00:00:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	21:48:49	00:07:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मेष	15:40:08	00:03:55	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	15:40:08	00:03:55	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:43:40	00:00:55	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	20:59:51	00:01:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	26:30:11	00:01:29	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृष	13:38:27	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

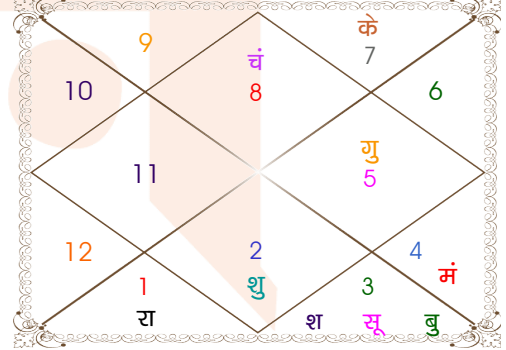
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:01

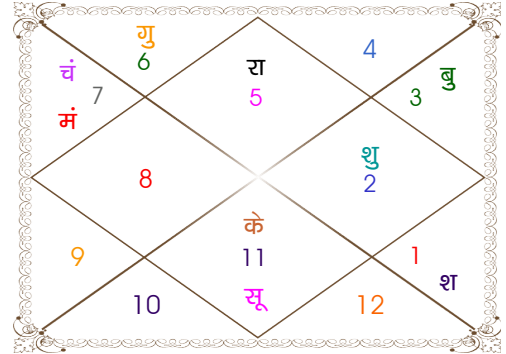
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 8 मास 27 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
30/06/2004	28/03/2010	28/03/2027	28/03/2034	28/03/2054
28/03/2010	28/03/2027	28/03/2034	28/03/2054	27/03/2060
00/00/0000	बुध 23/08/2012	केतु 24/08/2027	शुक्र 27/07/2037	सूर्य 15/07/2054
00/00/0000	केतु 21/08/2013	शुक्र 23/10/2028	सूर्य 27/07/2038	चंद्र 14/01/2055
00/00/0000	शुक्र 20/06/2016	सूर्य 28/02/2029	चंद्र 27/03/2040	मंगल 22/05/2055
00/00/0000	सूर्य 27/04/2017	चंद्र 29/09/2029	मंगल 27/05/2041	राहु 14/04/2056
00/00/0000	चंद्र 26/09/2018	मंगल 25/02/2030	राहु 27/05/2044	गुरु 01/02/2057
30/06/2004	मंगल 24/09/2019	राहु 16/03/2031	गुरु 26/01/2047	शनि 14/01/2058
मंगल 07/11/2004	राहु 12/04/2022	गुरु 20/02/2032	शनि 28/03/2050	बुध 20/11/2058
राहु 14/09/2007	गुरु 18/07/2024	शनि 30/03/2033	बुध 26/01/2053	केतु 28/03/2059
गुरु 28/03/2010	शनि 28/03/2027	बुध 28/03/2034	केतु 28/03/2054	शुक्र 27/03/2060
चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
27/03/2060	28/03/2070	27/03/2077	28/03/2095	29/03/2111
28/03/2070	27/03/2077	28/03/2095	29/03/2111	00/00/0000
चंद्र 26/01/2061	मंगल 24/08/2070	राहु 09/12/2079	गुरु 15/05/2097	शनि 01/04/2114
मंगल 27/08/2061	राहु 11/09/2071	गुरु 03/05/2082	शनि 26/11/2099	बुध 09/12/2116
राहु 26/02/2063	गुरु 17/08/2072	शनि 09/03/2085	बुध 04/03/2102	केतु 18/01/2118
गुरु 27/06/2064	शनि 26/09/2073	बुध 27/09/2087	केतु 08/02/2103	शुक्र 19/03/2121
शनि 26/01/2066	बुध 23/09/2074	केतु 14/10/2088	शुक्र 09/10/2105	सूर्य 01/03/2122
बुध 27/06/2067	केतु 19/02/2075	शुक्र 15/10/2091	सूर्य 28/07/2106	चंद्र 01/10/2123
केतु 26/01/2068	शुक्र 21/04/2076	सूर्य 08/09/2092	चंद्र 27/11/2107	मंगल 01/07/2124
शुक्र 26/09/2069	सूर्य 26/08/2076	चंद्र 09/03/2094	मंगल 02/11/2108	00/00/0000
सूर्य 28/03/2070	चंद्र 27/03/2077	मंगल 28/03/2095	राहु 29/03/2111	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 8 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् “पांचों उंगुली घी में” जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामर्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुड़ी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती। उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।